

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH



aglasem.com

Class : 8th

Subject : विज्ञान

Chapter : 1

Chapter Name : फसल उत्पादन एवं प्रबंध

Q1 उचित शब्द छाँट कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

तैरने, जल, फसल, पोषक, तैयारी

(क) एक स्थान पर एक ही प्रकार के बड़ी मात्रा में उगाए गए पौधों को _____ कहते हैं।

(ख) फसल उगाने से पहले प्रथम चरण मिट्टी की _____ होती है।

(ग) क्षतिग्रस्त बीज जल की सतह पर _____ लगेंगे।

(घ) फसल उगाने के लिए पर्याप्त सूर्य का प्रकाश एवं मिट्टी से _____ तथा _____ आवश्यक हैं।

Answer. (क) फसल

(ख) तैयारी

(ग) तैरने

(घ) जल तथा पोषक

Page : 13 , Block Name : अभ्यास

Q2 'कॉलम A' में दिए गए शब्दों का मिलान 'कॉलम B' से कीजिए।

कॉलम A	कॉलम B
(i) खरीफ़ फसल	(a) मवेशियों का चारा
(ii) रबी फसल	(b) यूरिया एवं सुपर फॉस्फेट
(iii) रासायनिक उर्वरक	(c) पशु अपशिष्ट, गोबर, मूत्र एवं पादप अवशेष
(iv) कार्बनिक खाद	(d) गेहूँ, चना, मटर
	(e) धान एवं मक्का

Answer.

कॉलम A	कॉलम B
(i) खरीफ़ फसल	(e) धान एवं मक्का
(ii) रबी फसल	(d) गेहूँ, चना, मटर
(iii) रासायनिक उर्वरक	(b) यूरिया एवं सुपर फॉस्फेट
(iv) कार्बनिक खाद	(c) पशु अपशिष्ट, गोबर, मूत्र एवं पादप अवशेष

Q3 निम्न के दो-दो उदाहरण दीजिए-

(क) खरीफ़ फसल

(ख) रबी फसल

Answer. (क) खरीफ़ फसल - मक्का और धान

(ख) रबी फसल - गेहूं और चना

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q4 निम्न पर अपने शब्दों में एक एक पैराग्राफ लिखिए

(क) मिट्टी तैयार करना

(ख) बुआई

(ग) निराई

(घ) श्रेशिंग

Answer. (क) मिट्टी तैयार करना- यह प्रक्रिया फसल उगाने का प्रथम चरण है। मिट्टी को पलटने और पोला बनाने से पौधों की जड़े गहराई तक जाकर श्वसन कर सकती हैं।

पोली बनाई हुई मिट्टी में केंचुओं और सूक्ष्मजीवों को वृद्धि में सहायता मिलती है तथा ये मिट्टी को और अधिक पोला कर ह्यूमस बनाते हैं, इसके अतिरिक्त मिट्टी पलटने से पोषक पदार्थ ऊपर आ जाते हैं जो अच्छी फसल उगाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं।

(ख) बुआई - यह फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण चरण है। मिट्टी को तैयार करने के पश्चात् खेत में बीज बोए जाते हैं। उचित दूरी एवं गहराई पर खेत में बीज बोना बुआई कहलाता है। बुआई के लिए अच्छी गुणवत्ता, साफ एवं स्वस्थ बीजों का चुनाव करना जरूरी होता है।

उचित बीजों को चुनने के बाद इन बीजों को उचित गहराई तथा उचित दूरी पर बोना चाहिए ताकि प्रत्येक पौधे को पर्याप्त हवा, प्रकाश, खनिज एवं पानी मिल सके। बुआई के लिए निम्नलिखित विधियों का प्रयोग किया जाता है-

→ सीड ड्रिल

→ परम्परागत औजार

(ग) निराई - खरपतवार हटाने को 'निराई' कहते हैं। निराई नहीं करने से खरपतवार जल, पोषक तत्व आदि ग्रहण कर फसल की वृद्धि को प्रभावित कर सकते हैं। फसल उगाने से पहले खेत जोतने पर धूप के कारण खरपतवार मर जाते हैं और मिट्टी में मिल जाते हैं।

खरपतवार हटाने का सबसे सही समय फूल एवं बीज बनने से पहले होना चाहिए। खरपतवार को हाथ, खुरपी आदि की सहायता से हटाया जा सकता है।

(घ) थ्रेशिंग - खेतों से काटी गई फसल से बीजों या दानों को भूसे से अलग करने के प्रक्रम को थ्रेशिंग कहा जाता है।

थ्रेशिंग करने के भी कई तरीके होते हैं। जैसे- छोटे खेत वाले किसान अनाज के दानों को फटक कर (विनोडिंग द्वारा) अलग करते हैं और बड़े खेत वाले किसान कॅम्बाइन मशीन का प्रयोग करते हैं।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q5 स्पष्ट कीजिए कि उर्वरक खाद से किस प्रकार भिन्न है?

Answer. उर्वरक :

1. उर्वरक एक अकार्बनिक लवण है।
2. इसका उत्पादन कारखानों में होता है।
3. इससे मिट्टी ह्यूमस प्राप्त नहीं होती।
4. इसमें पादप पोषक प्रचुरता में होते हैं
5. यह पानी में घुलनशील होने के कारण इनका अवशोषण शीघ्र हो जाता है।

खाद :

1. खाद एक प्राकृतिक पदार्थ है जो गोबर, मानव अपशिष्ट एवं पौधों के अवशेष के विघटन से प्राप्त होता है।
2. खाद खेतों में बनाई जाती है।
3. इससे मिट्टी को प्रचुर मात्रा में ह्यूमस प्राप्त होती है।

4. इसमें पादक पोषक अपेक्षाकृत कम मात्रा में होते हैं।
5. यह पानी में अघुलनशील होने के कारण इनका अवशोषण धीरे-धीरे होता है।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q6 सिंचाई किसे कहते हैं? जल संरक्षित करने वाली सिंचाई की दो विधियों का वर्णन कीजिए।

Answer. फसलों को कृत्रिम रूप से आवश्यकतानुसार पानी देना, सिंचाई कहलाता है। जीवित रहने के लिए पौधों को जल की आवश्यकता होती है।

पौधों में लगभग 90% जल होता है। फसल की स्वस्थ वृद्धि के लिए मिट्टी की नमी को बनाए रखने की आवश्यकता होती है जिसके लिए विभिन्न अंतराल पर खेत में जल देना सिंचाई कहलाता है। जल संरक्षित करने वाली सिंचाई की दो विधियाँ निम्नलिखित हैं-

→ छिड़काव तंत्र- इस विधि का इस्तेमाल असमतल भूमि, जहाँ पर जल कम मात्रा में उपलब्ध हो, के लिए किया जाता है। इसमें नलों के ऊपर घूमने वाले नोजल लगे होते हैं। जब पम्प से जल मुख्य पाइप में भेजा जाता है तो वह घुमते हुए नोजल से बाहर निकलकर वर्षा की भाँति छिड़काव करता है। यह विधि बलुई मिट्टी के लिए अत्यंत उपयुक्त है।

→ ड्रिप तंत्र- इसमें जल बूँद-बूँद करके पौधों पर गिरता है और बेकार नहीं होता। यह कम पानी वाले क्षेत्रों के लिए एक वरदान है। यह विधि फलदार पौधों, बगीचों आदि को पानी देने का सवाँतम तरीका है।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q7 यदि गेहूँ को खरीफ ऋतु में उगाया जाए तो क्या होगा? चर्चा कीजिए ।

Answer. गेहूँ एक रबी फसल है, इसे शीत ऋतु में उगाया जाता है। खरीफ ऋतु जून से सितंबर तक होती है। इस समय वर्षा काफी अधिक मात्रा में होती है। इसलिए इसे वर्षा ऋतु भी कहते हैं। यदि गेहूँ को इस समय उगाया जाए तो गेहूँ के पौधे अधिक मात्रा में पानी मिलने की वजह से सड़कर खराब हो जाएंगे और फसल बर्बाद हो जाएगी।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q8 खेत में लगातार फसल उगाने से मिट्टी पर क्या प्रभाव पड़ता है? व्याख्या कीजिए।

Answer. खेत में लगातार फसल उगाने से मिट्टी में कुछ पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, जिससे उसकी उर्वरता भी कम हो जाती है। यही कारण है कि खेत में लगातार फसल नहीं उगानी चाहिए और खेत को कुछ समय के लिए परती छोड़ देना चाहिए। एक अन्य तरीका फसल चकण है, इसमें किसान एक फसल के बाद दूसरी किस्म की फसल उगाते हैं जिससे मिट्टी में नाइट्रोजन का पुनः पूरण होता रहता है।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q9 खरपतवार क्या हैं? हम उनका नियंत्रण कैसे कर सकते हैं?

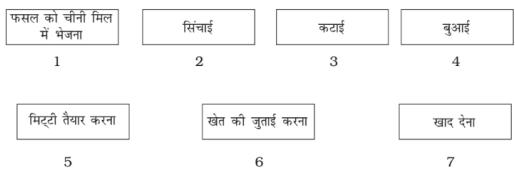
Answer. खेत में फसल के साथ कई अवांछित (बेकार) पौधे उग आते हैं। इन पौधों को खरपतवार कहते हैं।

इनको निराई के द्वारा हटाना बहुत जरूरी होता है क्योंकि ये फसल की वृद्धि पर प्रभाव डालते हैं और पशुओं एवं मनुष्यों के लिए विषैले हो सकते हैं। इनको नियंत्रण करने के कई तरीके हैं-

- फसल उगाने से पहले खेत जोतिए, इससे खरपतवार पौधे सूख कर मर जाते हैं।
- फूल एवं बीज बोने से पहले हाथ से या खुरपी आदि की सहायता से पौधों को उखाड़कर।
- खरपतवारनाशी रसायनों का उपयोग करके, इससे खरपतवार पौधे मर जाते हैं।

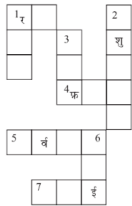
Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q10 निम्न बॉक्स को सही क्रम में इस प्रकार लगाइए कि गन्ने की फसल उगाने का रेखाचित्र तैयार हो जाए।



Answer. 5→6→4→7→2→3→1

Q11 नीचे दिए गए संकेतों की सहायता से पहेली को पूरा कीजिए-



ऊपर से नीचे की ओर

1. सिंचाई का एक पारंपरिक तरीका
2. बड़े पैमाने पर पालतू पशुओं की उचित देखभाल करना
3. फसल जिन्हें वर्षा ऋतु में बोया जाता है
6. फसल पक जाने के बाद काटना

बाईं से दाईं ओर

1. शीत ऋतु में उगाई जाने वाली फसलें
4. एक ही किस्म के पौधे जो बड़े पैमाने पर उगाए जाते हैं।
5. रसायनिक पदार्थ जो पौधों को पोषक प्रदान करते हैं।
7. खरपतवार हटाने की प्रक्रिया

Answer.

